

DPN 6369

Title : कंकीरु हृदय KANKIRNA HRDAYA

Run. No. 7060

Cat. No.

Micro. No.

Subject Sharanī

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 21.2 x 14.7

Folios 24 Lines (in a page) ||

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

□ ॐ नमो शतत्रयाय ॥ ॐ सम्भर २ विमलसागरै महावजे ॥ P.T.O.

0
CMS

5

10

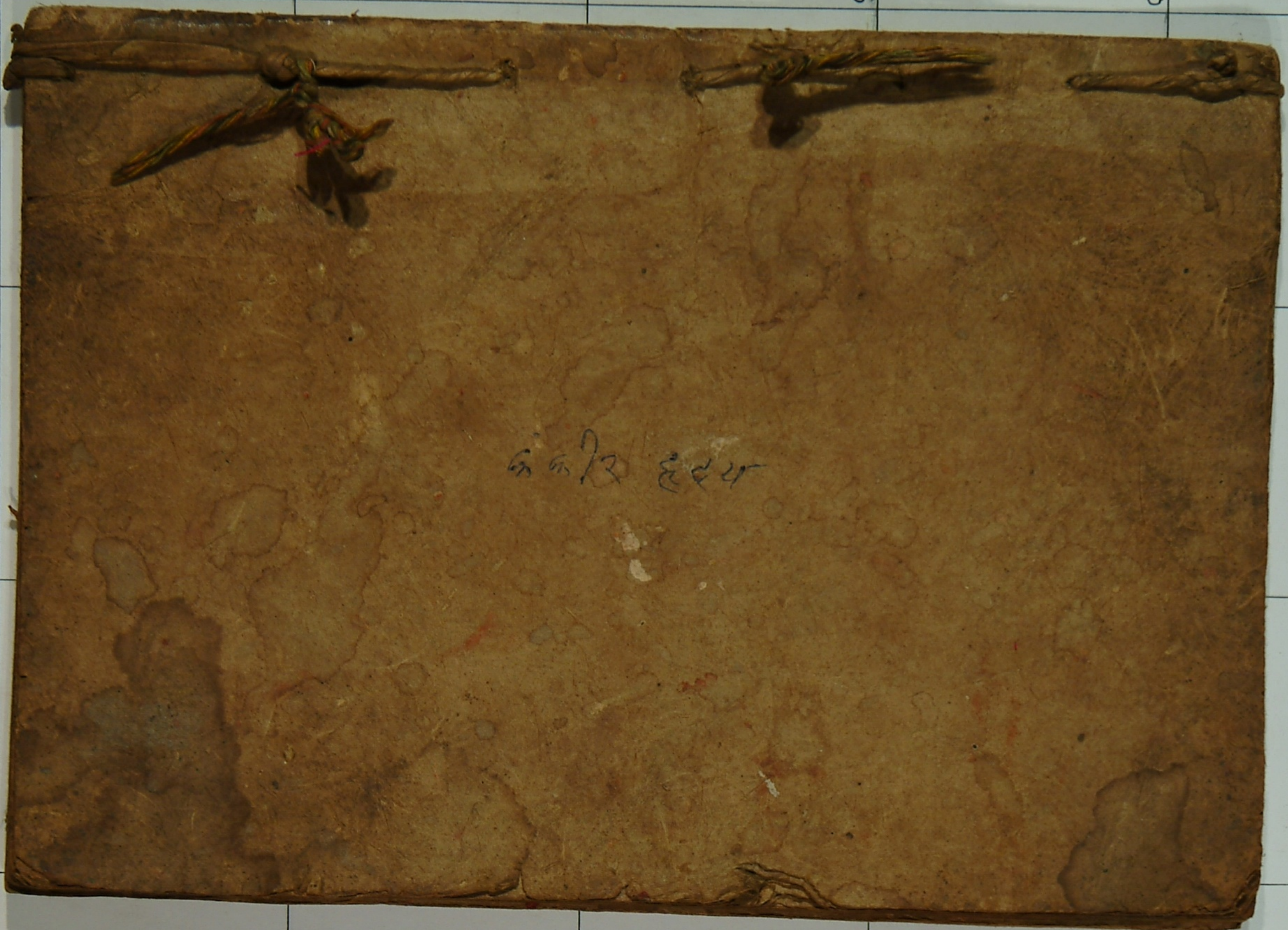
15

5

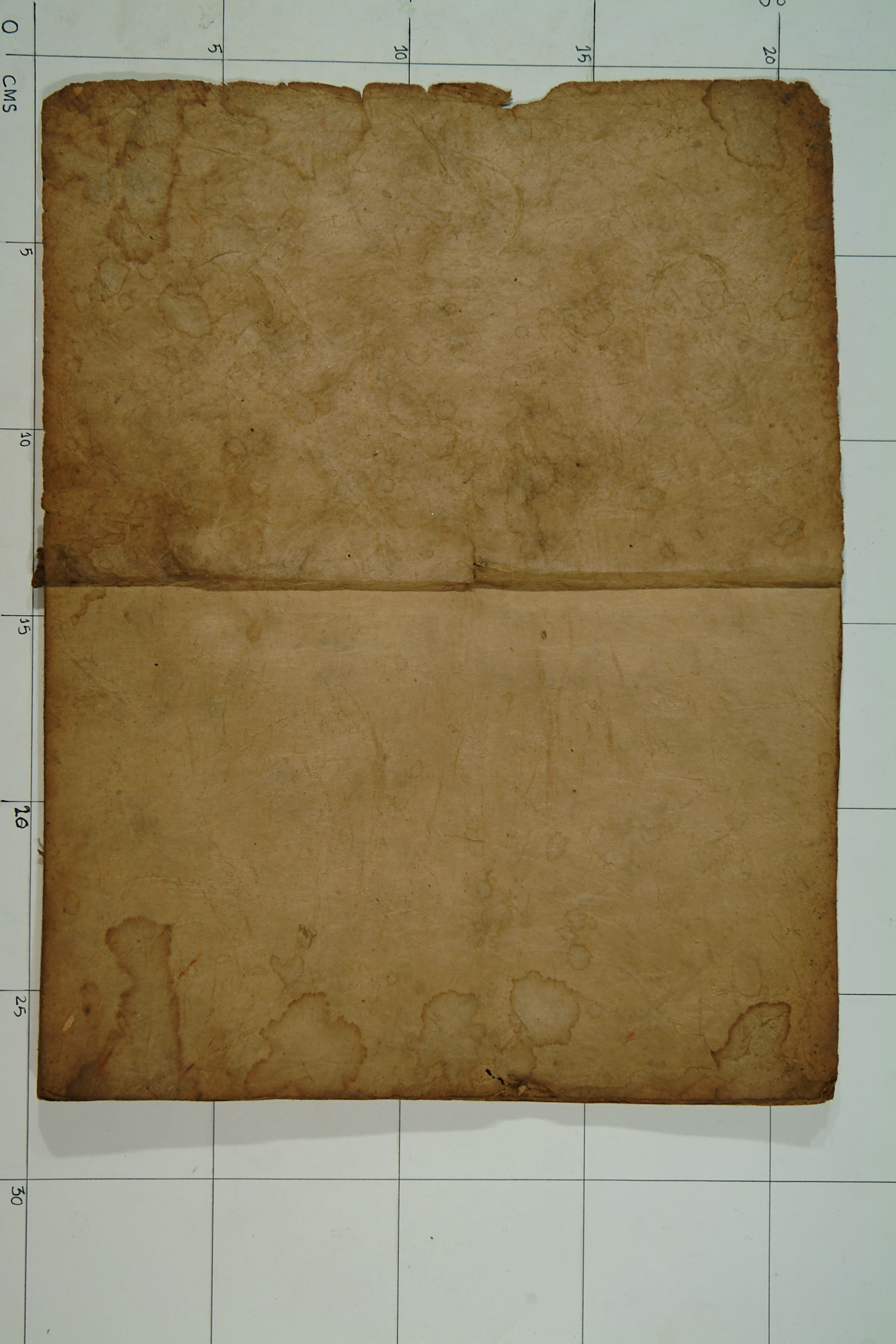
10

15

20



गंगा हर



20

15

10

5

0
CMS

5

10

15

20

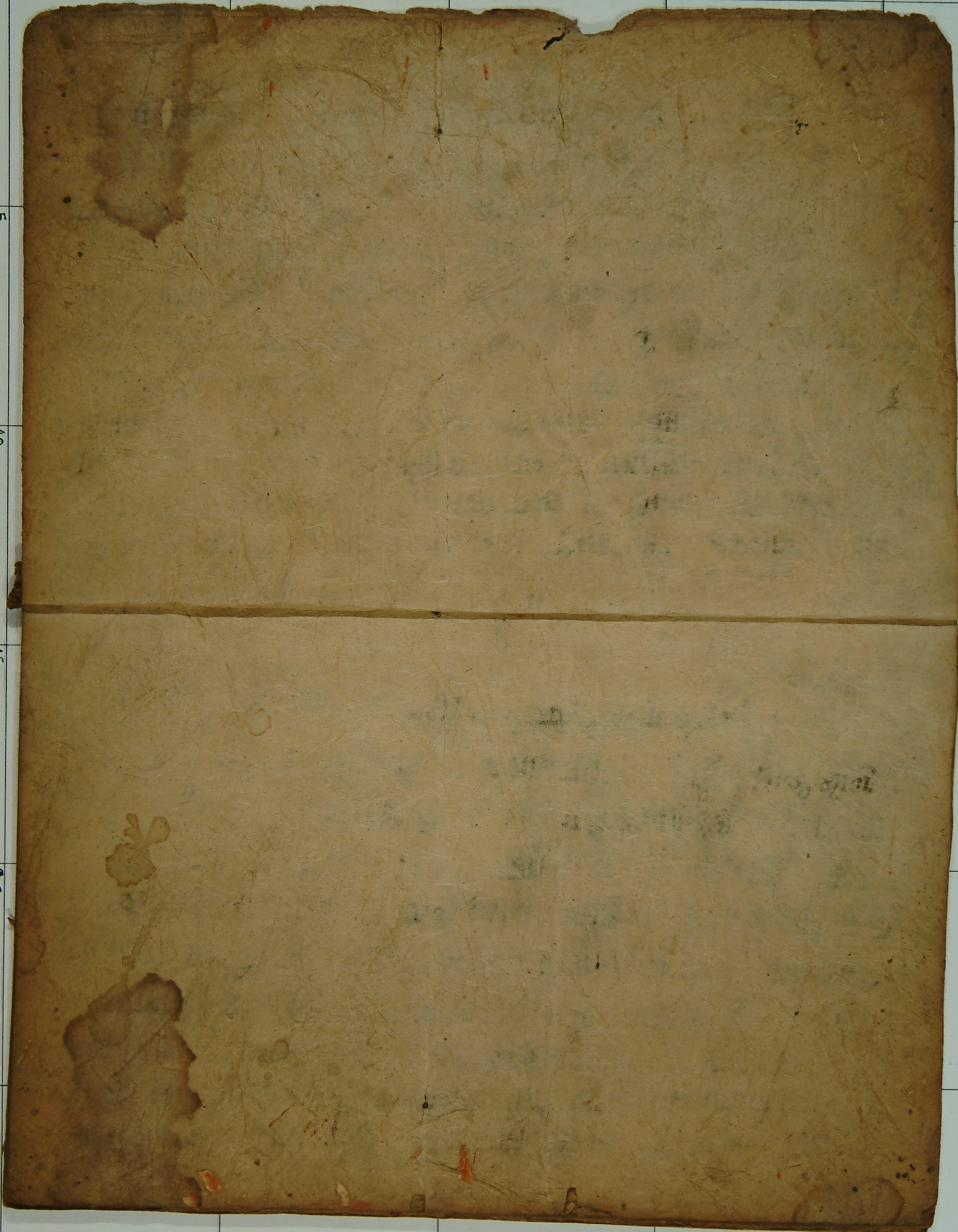
25

30

॥ १ ॥

ॐ नमो रत्नत्रयाय ॥ ॐ सैम्भर २ विमनसागरे महावजे हुं ॥ ॐ सैम्भर २ विमनस
कै धमहावजे हुं ॥ ॐ सैम्भर २ विमनसागर महावज सैम्भवाये स्वाहा ॐ सैम्भर २
विमनस्क धमहावजे हुं ॥ ॐ भनसो भनविमर सये महाविमरजम्भहुं फत् ॥ ॐ न
मो सर्वतठागत हृडये अनुगते ॥ ॐ कुरु २ गिनि स्वाहा ॥ ॐ नमो महारत्नन्द्र आरंकार
सर्वज्ञ भिर्वने जप भकेतु राजाय तथागतये ॥ ॐ नमो चन्द्र मण्डल विश्व धर्म माने तथा
गतये ॥ ॐ नमो सद्धर्म पुरी २ पति भासा विर रक्षित धने ज ॐ भवकेतु राजाय तथागता
या ॥ ॐ नमो भगते अर्धयो भेत तथागतये ॥ ॐ नमो साके मुनितथागतये ॥ ॐ नमो स्तै ज प
मना अभवासु विजीत स ग्राणीय तथागतये ॥ ॐ नमो वज्रवर्ज श्री द्वा सनापिरचिय द्वा द्वा तस
हृष्ट पारमिता सैव सै पूरित तथागतये ॥ ॐ नमो चन्द्र शोर सिंह विकृति न धर्म पाणि
विजये धरत तथागताय ॥ ॐ नमो भगवते महारत्न धर्म सै पूरित तथागताया अहन्ते
सम्पत्तु सुं धायै ॥ ॐ नमो भगवते महारत्न धर्म अजि कीरणा प भकेतु तथागताया

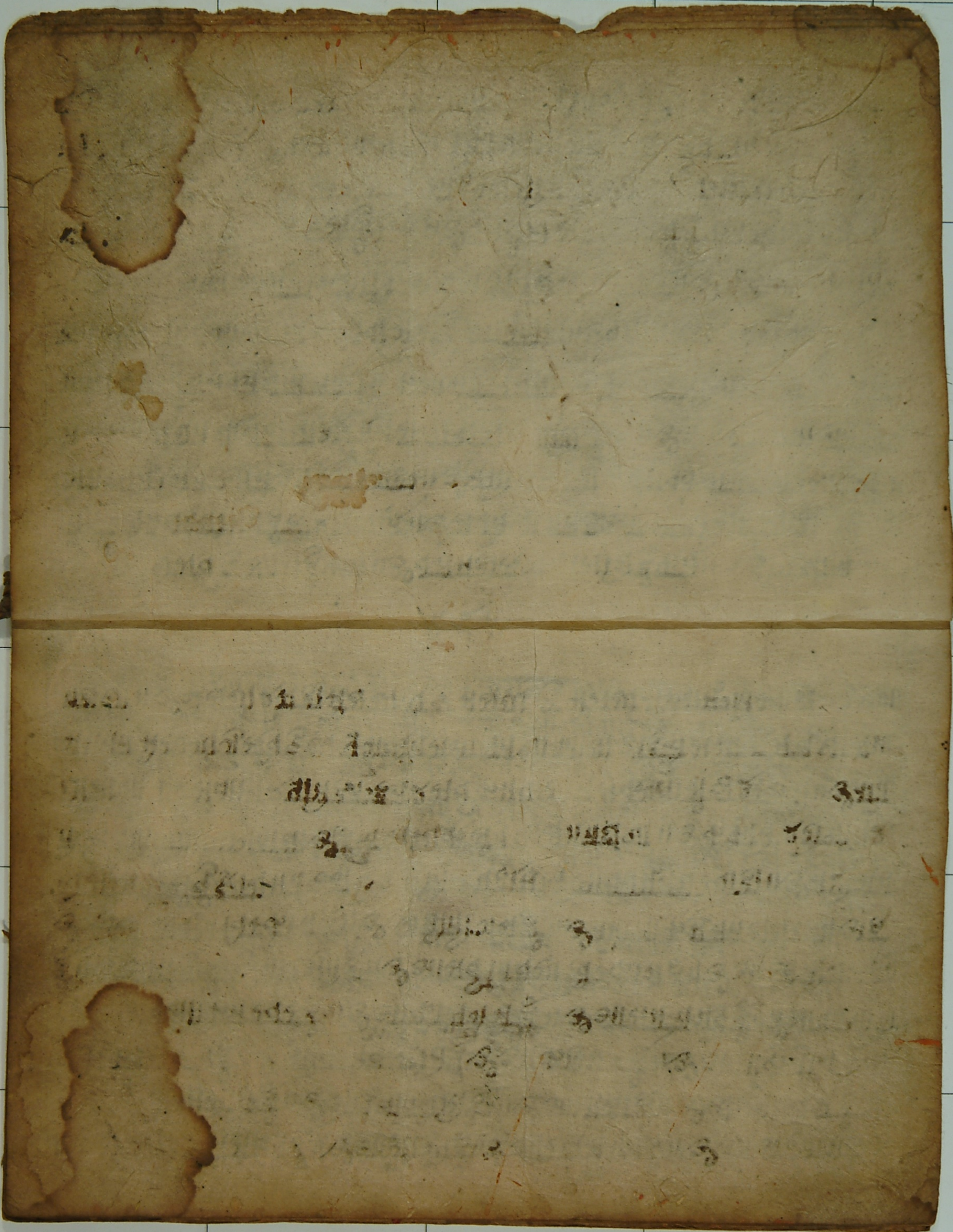
0
5
10
15
20
25
30
CMS



अहंते सम्यक् सर्वधाय ॥ ॐ नमो भगवते नवनवतिना सम्यक् सर्वधकोतिनीयुतस
 तसह आशीर्गगानदावारकानी तथागतकोतिनी ॥ ॐ नमो भगवते महारत्न
 द्विचनेत्र तथागताया अहंते सम्यक् सर्वधाय ॥ ॐ नमो भगवते धर्मा समुद्र सर्वस
 धधरतथागताया अहंते सम्यक् सर्वधाय ॥ ॐ नमो भगवता आयुकेतुशमधरत
 थागताया अहंते सम्यक् सर्वधाय ॥ ॐ नमो भगवते रवसर्वतथागतविहरतिम्
 मद्रुकेतु ध्वज श्रीयतथागताया अहंते सम्यक् सर्वधाय नमो ॥ ॐ आतिसरना
 प्रजस्यात् सकृत्पसायनवजद्धार सुधकल्प भद्रसमुः ॐ नमवागनुकूर सर्वसि
 धिप्रयेष्टु ॥ ॐ वज्रो धमहा श्रिजहेरुकनमर्थ भद्रं हुं फत् ॥ ॐ यस्मात्कृतमहाको
 धहयगृवहुं २ हुं फत् ॥ ॐ वजकिंती किंताये सर्वविजनत्वं हुं फत् ॥ ॐ श्रीगुह्य
 ज्ञान श्रीहेरुक गुह्यज्ञानकोतिश्चरिस्त्वं ममजोगिनी रुरु २ हुं फत् ॥ ॥

ॐ वजर्वध सर्वदुष्टान् हुं फत् ॥ ॐ वजमहारु सर्वसिद्धिं हुं फत् ॥ ॐ हीपमानकय
 तवजको धहयगृवहुं २ हुं फत् ॥ ॐ सर्वतथागत उग्र धातुमिमीस्वाहा ॥ ॐ तठा
 गत धातु भित्तुस्वीते अद्भि हुं स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवत्य सर्वसर्वतथागतविहस्य इन्द्रके
 तु ध्वज श्रीयतथागताया अहंते सम्यक् सर्वधायि नमो ॥ ॐ आतिसरणा प्रजस्यात्
 सकृत्पसायेनवजधातुज सुद्रिकल्प भद्रे नमवागनु कूर सर्वसिद्धिं प्रयेष्टु ॐ हुं फ
 द् ॥ ॐ आक्रोतकायमातहनमर्थ भद्रं हुं फत् स्वाहा ॥ ॐ पद्मातकपूतमहाको धहयगृव
 हुं २ फत् स्वाहा ॥ ॐ वजकिंती किंताये सर्वविजेन त्वं हुं फत् ॥ ॐ गुहे ज्ञानकोति
 स्वतिस्त्वं ममयोगिनी रुरु हुं फत् ॥ ॐ वजर्वध सर्वदुष्टान् हुं फत् स्वाहा ॥ ॐ वज
 सर्वदुष्टान् हुं फत् ॥ ॐ वजदुष्टान् कोदहयगृवहुं फत् ॥ ॐ वजमहागुरु सर्वसि
 धि हुं फत् स्वाहा ॐ हीपमानकय तवजको धहयगृव हुं २ फत् ॥ ॐ सर्वतथाग
 त उग्र धातुमिमीस्वाहा ॥ ॐ सर्वतथागत धातु विभुस्वीते अधीष्ठीते हुं फत् स्वा

0
5
10
15
20
25
30
CMS



हा ॥ ॐ भगवान्वैरोचनहूँ ॥ ॐ अक्षो भ्येहूँ ॥ ॐ आरत्नस भवहूँ ॥ ॐ आ अमृती भहूँ ॥
 ॐ आ अमो धासिद्धिहूँ ॥ ॐ आवु धाविगैसिहूँ ॥ ॐ आसिषीहूँ ॥ ॐ आवि स्व भुहूँ हूँ ॥
 ॐ कुकुब्ध नहूँ ॥ ॐ ओकनक मुनिहूँ ॥ ॐ आकास्पवहूँ ॥ ॐ आसाके मुनिहूँ ॥
 ॐ आर्य वलोकिते स्वरहूँ ॥ ॐ आकासगे भहूँ ॥ ॐ आसमने भदेहूँ ॥ ॐ आवजपाशि
 हूँ ॥ ॐ आर्मजु श्री कुमार भुतेहूँ ॥ ॐ आसर्वी निवर्णा विस्कर्मा भहूँ ॥ ॐ आछीनीग भहूँ ॥
 ॐ आसर्वी निवर्णा विस्कर्मा भहूँ ॥ ॐ आछीनीग भहूँ ॥ ॐ नमो साके मुनतठागताया अह
 ने सम्यक् सर्व बुद्धाय ॥ तदेवा ॥ ॐ मुनि २ महामुनि साक्यमुनय स्वाहा ॥ ॐ नमो भग
 ते अक्षोभ्यो तठागताया अहंते सम्यक् सर्व बुद्धाय ॥ तद्यथा ॥ ॐ कफनि २ रोचनि २
 तीक्ष्णो वनि २ र्मत्तानि २ प्रतिहज हन २ सर्व कर्म पारानि सर्व सत्तानी च ३ स्वाहा ॥ ॐ नमो
 भगवते भैरवर्ण गुरुवे दु ग्य प भक्तुराजा यत थागताया अहंते सम्यक् सर्व बुद्धाय ॥
 तद्यथा ॥ ॐ भैरव २ महा भैरव पञ्च भैरव शु भैरव राजसमुगते स्वाहा ॥ ॐ नमो

भगवते अपरिमितायू ज्ञानमुविनि चितते जोराजायत थागताया अहंते सम्यक् सर्व बुद्धाय ॥
 तद्यथा ॥ ॐ पुरो २ महो पुरो अपरिमित पुरो अपरिमितायू पुरो ज्ञानसंभारे पचिते ॥
 ॐ सस्कार पारि सुद्धे धमे गिते गगनसमुगते स्व भावा विमुद्धे महा नय पारिवारे स्वाहा ॥
 ॐ तद्यथा ॥ भैरवे २ महा भैरवे राजमुनि स्वाहा ॥ ॐ मालो पद्मेहूँ ॥ ॐ वाजो श्वारेहूँ ॥
 ॐ वजपाशिहूँ ॥ ॐ अरप रूतधिहूँ ॥ ॐ वाक्य डनमो ॥ ॐ चडराम होरोष नहुं फत् ॥
 ॐ तारे गुप्ते तुर स्वाहा ॥ ॐ मारि चैमो स्वाहा ॥ ॐ पिशाचि प रा श्वरी रिसर्व जोर प्रमने
 स्वाहा ॥ ॐ पद्मो डी प्रिय विहोहूँ ॥ ॐ मालो धागो वजीनी महा प्रति सरे रक्षे २ मीहूँ फत्
 स्वाहा ॥ ॐ अमृते अमृत वर २ प्रवर विमुद्धे हूँ हूँ फत् स्वाहा ॥ ॐ अमृत विनोकिनी ग
 र्म रंछे नी आक र्म हूँ हूँ फत् स्वाहा ॥ ॐ विमते वसु विधुरे जय वाहिनि अमृत हूँ हूँ फ
 त स्वाहा ॥ ॐ भर २ इंदोय वर ना विस्व धिर चुरु चने हूँ हूँ फत् स्वाहा ॥ ॐ नमो रत्न त्रया
 य ॥ ॐ नमो भगवते साके मुनि तठागता याहंते सम्यक् सर्व बुद्धाय ॥ तद्यथा ॥ अतिने २ त
 जीय २ महा बोधि मण्ड विज स्मर २ अस मार्क समये बो धी स्वाहा ॥ ॐ माहा भो होने

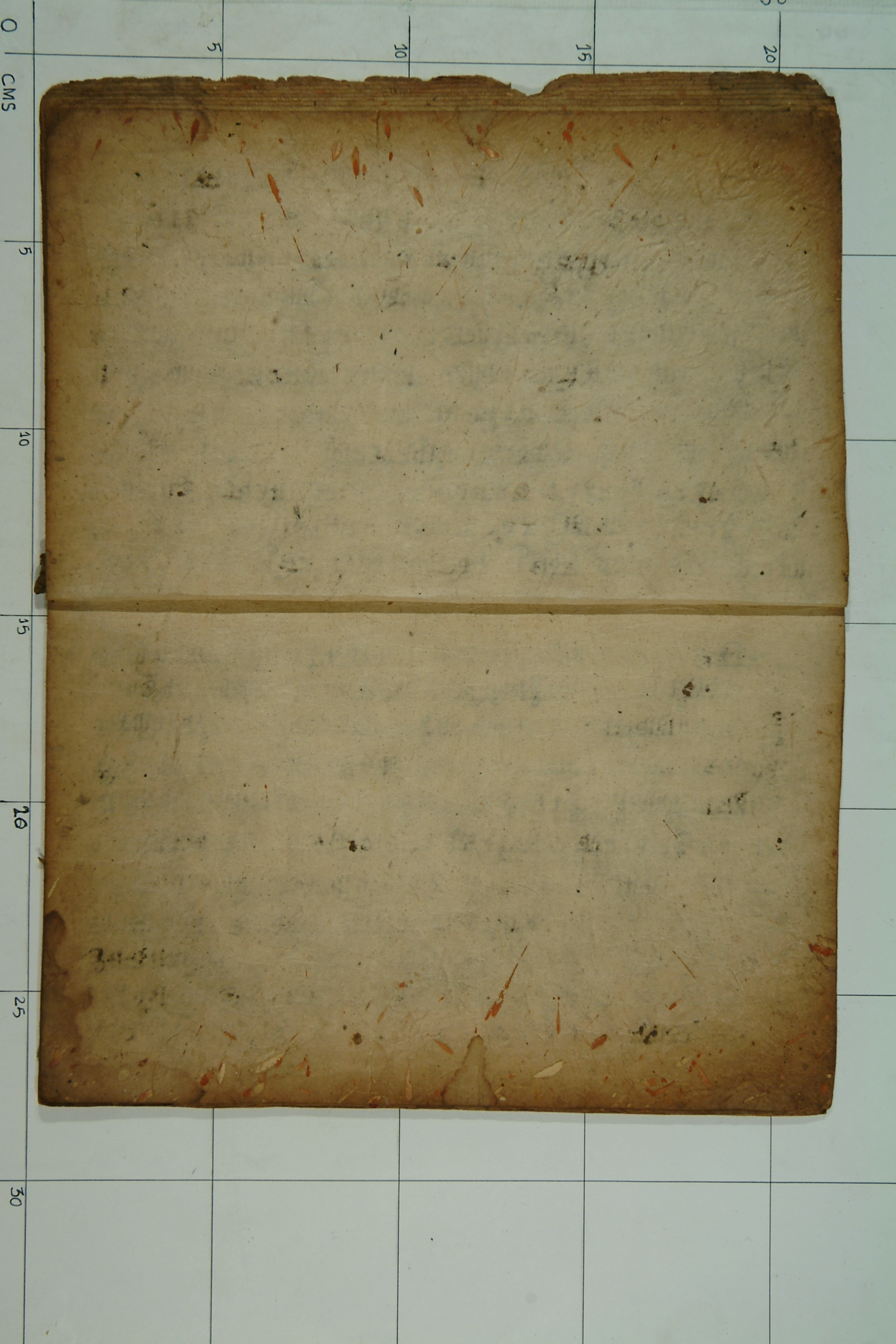
मे श्री भवतो कीर्तन २ महा लमु ॥ १० धी भर २

0
5
10
15
20
25
30
CMS

[Faint, mostly illegible handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines across the page.]

स्वाहा ॥ ॐ महामुसारे स्वाहा ॥ नीमुडीमाः उयेधो ॥ ॐ नमोर्मजु श्रीय नमः शुश्रीदे
मः उत्तर्म श्रिये स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते रत्नकेतुराजाय तथागताया अहंते सम्यक् सर्व
धाय ॥ तद्यथा ॥ ॐ रत्नेश महाराते विजय स्वाहा ॥ ॐ नमो डमडीकी कात सर्वरत्नयाय ॥
ॐ इयं डिकेः सर्वपापविस्व धने स्वाहा ॥ ॐ विगूरगर्भे मनिप्रभो ॥ तद्यथा ॥ अगतनिडसन
मणि २ सुप्र भविमनमार्गिणी भरे ॥ २ कत २ युध विरोकिते गुह्यस्मु धिच्छीते
जभे स्वाहा ॥ ॐ मणि वजे ॥ ॐ मणि धीणि ॥ ॐ अचनु ॥ ॐ नमो भगवते प्रज्ञापा
मिताय ॥ ॐ तद द्रुत इति मिसी रिसि २ ॐ नमो भगवते प्रतननप्राति इति २ मिती
ति २ अतीति २ वसुति भुये स्वाहा ॥ ॐ अधिर धिर ह्यरत्न ॥ ॐ वजगुरुपद्मसिद्ध
॥ ॐ महारु सर्वसिद्धे ॥ ॐ नमो भगवते सर्वदुर्गतिग्रिस्वर धर राजाय तथाम
ताया अहंते सम्यक् सर्व धाय ॥ तदेथा ॐ श्रो धने श्रो धने सर्वपापविस्व धने श्रु धे वि
श्रु धे सर्वकस्मा च नि विस्व धने स्वाहा ॥ ॐ अन्नस्नीय विमते ॥ ॐ मणिपद्मे

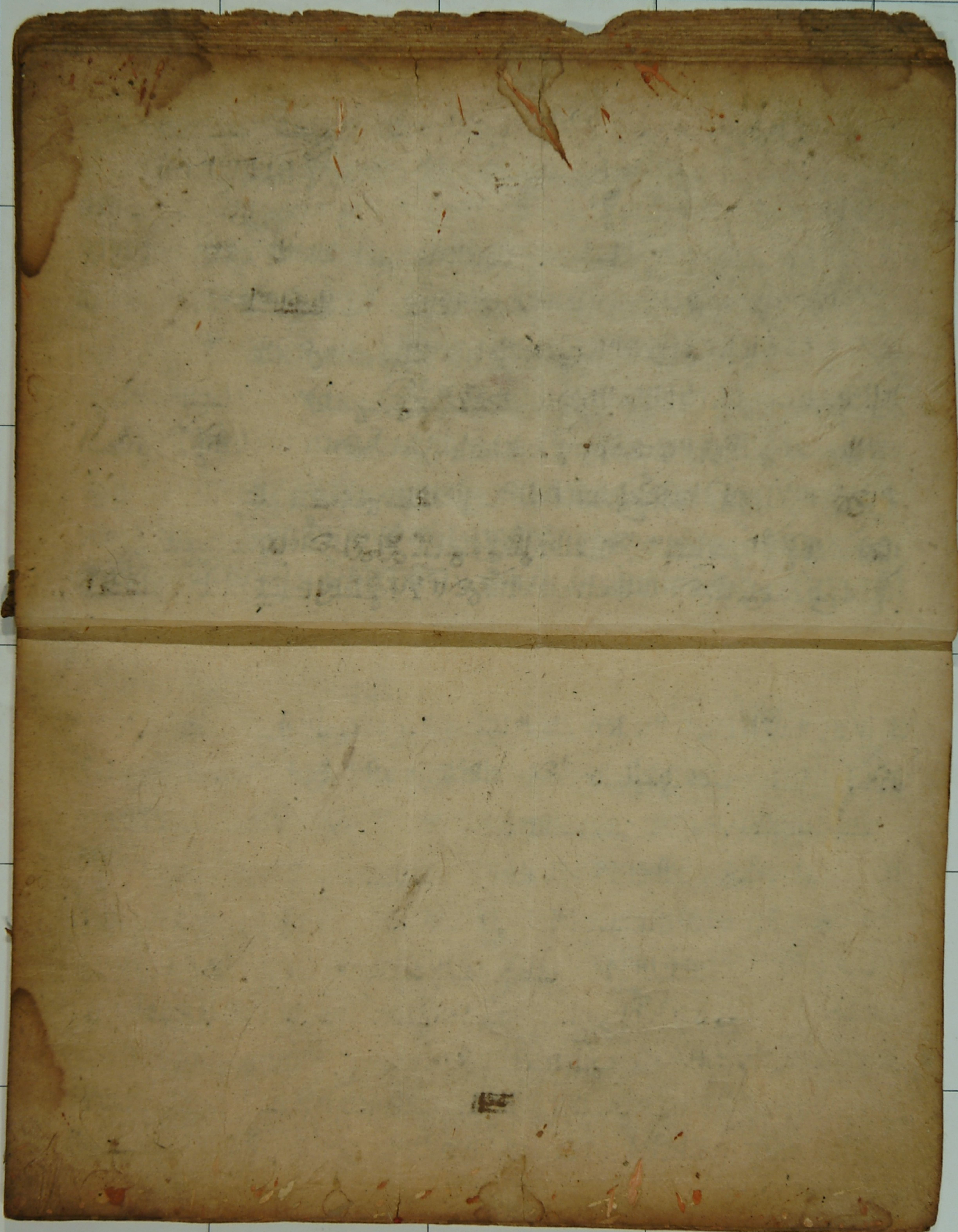
॥ ॐ ह्रीं ॥ ॐ इहो १ सुधे २ विद्रुधे अतिरविनवसु धरन् अआ ॥ ॐ विस्मो २ स्वा
हा ॥ ॐ यधमो भ्यादी ॥ ॐ सितातपत्रे अपराजिते सर्वपहात्रासये २ हन २ ह्रीं २ ह्रीं फ
तस्वाहा ॥ ॐ वज्रवजमहाक्रोधाय दुरु २ तिष्ठ २ वध २ हन २ क्रुमते ह्रीं फतस्वाहा ॥
ॐ तारुतारे नूरे मम अद्य युगाय ज्ञानपुस्तिकुरु २ स्वाहा ॥ ॐ नमो सर्वतथागत अव
लोकीने ॐ स भरे ॥ ॐ नमो वजसागर समर्थने तथागताया अहंते सम्यक् सर्वदु
य ॥ तदेथा ॥ ॐ वजे २ महावजे महातेज महाविजयाय जे महाकस्मा महाबोधिचित्त
वजमहाबोधिगीय समक्र वजे सर्वकस्मा अरा वि श्व धाणि वजे स्वाहा ॥ ॐ नमो सम
नवुधानी असमधर्म धातुकार्यगीतंगतानी समथा ॥ ॐ र्वं अं अ. स. स. ह्रीं हः रं र. च.
चरि स्वाहा ॥ रं र स्वाहा ॥ ह्रीं ह स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते सर्वदुर्गतिपरि श्व धाणि सर्वपाप
विश्व धने श्रु धे विद्रु धे सर्वकस्मा वरा वि श्व धने स्वाहा ॥ ॐ सर्वचित्त सर्व आवस
न विस्व धने हन २ ह्रीं फतस्वाहा ॥ ॐ अं आ स सर्वतथागत हृदये ॥ हर २ ॐ ह्रीं ह्रीं भ



गवान् ज्ञानमुनिविगीश्वर महावाच सर्व धर्मांगिरा अमराडत सुपरि सूधर्म धातु
 ज्ञानगर्भे आ॥ ॐ वज्रमत्त्व भादो ॥ ॐ मुनिश्च महामुने ये स्वाहा ॥ ॐ मणिपद्मे ॥
 ॐ चन्द्रमहारोष राहू ॥ ॐ तारे तु नारे स्वाहा ॥ ॐ नमो रत्नतुयाय ॥ ॐ नमो भगवते आर्य
 ज्ञानसागर वैरोचन विहराजाय तठागताय ॥ ॐ नमो सर्वतथागतेभ्यः अर्हतेभ्यः समे
 कस्य पुद्गायः ॐ नमो श्रे आर्या वल्लोकिने स्वराय वोधिसत्वाय महामत्वाय ॥ महा
 कारुणिकाय ॥ तद्यथा ॥ ॐ धर २ धिरि २ धुरु २ इह च वर्त चर २ प्रवर २ कुसूमे २ वत इ
 ति मिचिती ज्वलनवनवनय स्वाहा ॥ ॐ आवजहूँ ॥ ॐ आ महुँ ॥ ॐ आ मणिपद्मे ॥ ॐ
 ह्रीं वी वि कृत हूँ ॥ ॐ जमान्त क हूँ फत् ॥ ॐ जमराजय सर्वदामेय यम्प रत्नां हृदयाय नि
 रक्षेयीने रये हूँ फत् ॥ ॐ श्री वज्रहे हेरुक हूँ फत् दाकिनीजात सम्वर स्वाहा ॥ ॐ हिं ह ह हूँ
 फत् ॥ ॐ वज्र वैरोचनिय हूँ फत् ॥ ॐ सर्वबुध दाकीनीय हूँ फत् ॥ ॐ सर्वबुध दाकीनीय व
 जवरा य वज्र वैरोचनिय हूँ फत् स्वाहा ॥ ॐ आ हूँ हिं ॥ ॐ मणिपद्मे ॥ ॐ वज्रवारा

बुद्धदाकीने वज्र वैरोचनिय हूँ फत् ॥ ॐ धूमयय नम स्वाहा ॥ ॐ हरीनि सर्वहीय हूँ
 ज ॥ ॐ आ हूँ हो स्वाहा ॥ ॐ हिं हिं हो हूँ हिं ह्रीं स्वाहा ॥ ॐ कारचक्राय हूँ हूँ फत् फत् ॥
 ॐ भेवि श्रमाताये हूँ फत् ॥ ॐ वज्रवाराहि आव्यस सर्वदुखान ह्रीं स्वाहा ॥ ॐ देवि
 पिचुवजे हूँ हूँ फत् स्वाहा ॥ ॐ वज्रकति वहवजाय हूँ फत् स्वाहा ॥ ॐ आ हूँ फत् स्वाहा ॥
 ॐ धर २ धारय २ मर्द २ वज्रवैद हूँ हूँ फत् स्वाहा ॥ ॐ मा श्वतपद्म शा श्वतरह क्यभि
 नजिक हूँ फत् स्वाहा ॥ ॐ वज्रसुर्यतिमा विधमन मन्त्रे समयस्व हूँ आ रो कृतक हूँ फत् स्वा
 हा ॥ ॐ ह २ हि २ बुजाकृक हूँ फत् स्वाहा ॥ ॐ हूँ स्वाहा ॥ ॐ आ हिं स्वाहा ॥ ॐ बुधदा
 कीनीय आ हिं हूँ ॥ भगवान् माहो माया धारिणि ॥ ॐ हिं वी वि कृता ननाय हूँ फत् स्वाहा ॥ ॐ
 प्रसादुत्तसीत दुर्मिमादाय गोतछाद स्वजकसर्ग च द हूँ फत् स्वाहा ॥ ॐ गरु मकीरीव
 सेनासुच महाक्रोध हूँ फत् ॥ ॐ अकसमवर सशदच मलय हूँ फत् ॥ ॐ आ हूँ ह्रीं नुरु
 २ श्री २ हूँ कचदु वदहन भयर्द गसर्वमार यव द हूँ फत् स्वाहा ॥ ॐ भूँ हूँ ॥ ॐ वज्र

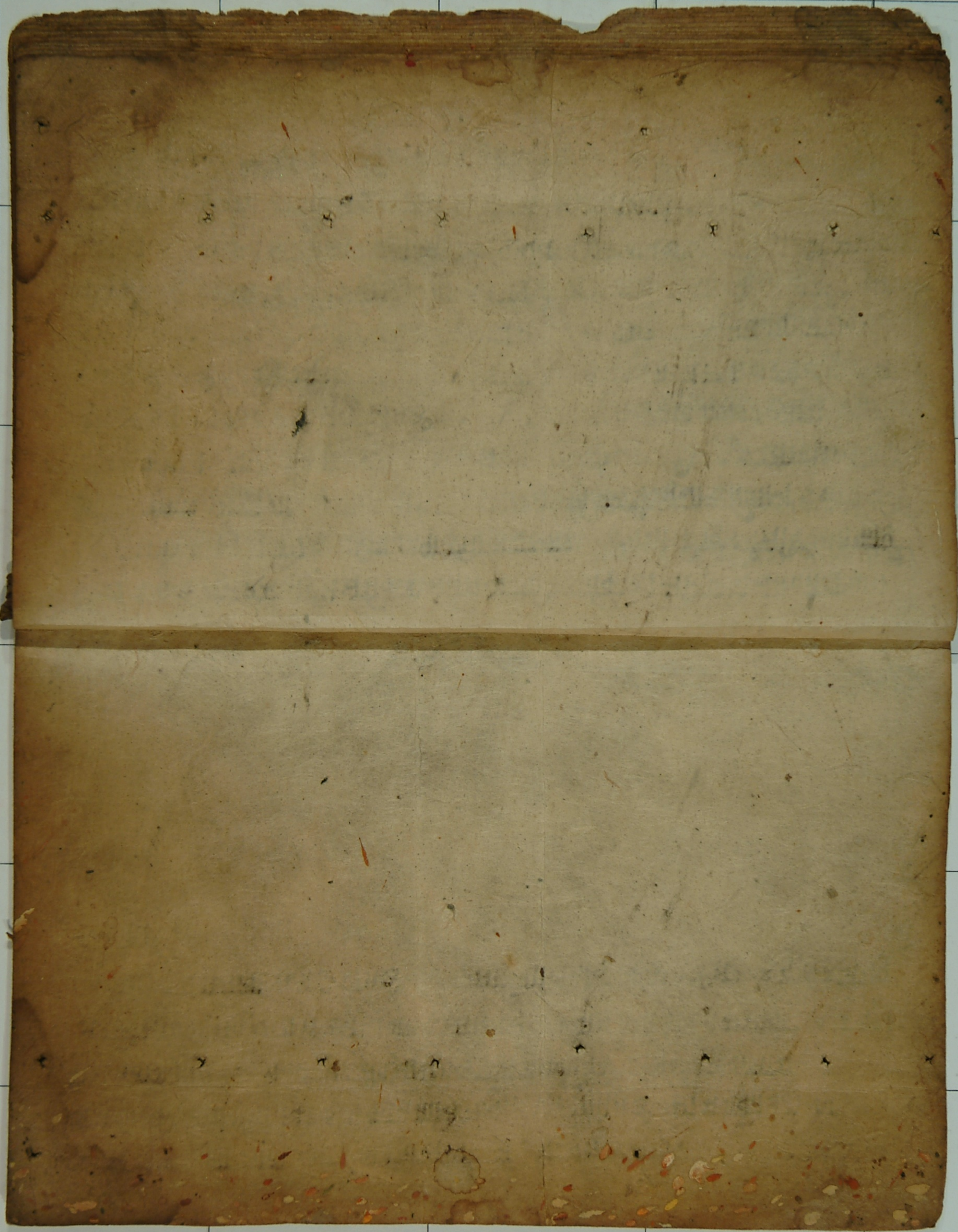
0
5
10
15
20
25
30
CMS



रिगहयखर्वेवरुणाहूँफरद ॥ ॐ ज्ञानदाकिनी अपानिजीवातिचस्वाहा ॥ ॐ ह्यार ह्या भ्या
 र ह्या भ्या सनर्क मारुक्थुभ्या चुबू २ हूँ ॥ ॐ महारधी च हूँफरद ॥ ॐ वज्रमहाकारक्षी
 जविघ्नान विनायकाना हूँफरद स्वाहा ॥ ॐ कारुण्येय हूँफरद ॥ ॐ चामुदी हूँफरद ॥ ॐ दो
 विनिचंदातिराक्षोमिगारेदेवी हूँ भो हूँ ॥ ॐ पुण अणो जोजपुखरो हितसर्वसत्तुमार
 य हूँफरद ॥ ॐ रत्नचमोचते हरणीदेवी हूँ ॥ ॐ नमो भगवते मोगजय जय २ सर्वसत्तुमार
 येव हूँफरद स्वाहा ॥ ॐ महाजक्षोत्री आयुर्वह ॥ ॐ यिनीरिप्रोमेतो सिती हूँ ॥ ॐ धनध
 हूँ हूँ ॥ ॐ चैस्वाहा ॥ ॐ चैयवरायस्वाहा ॥ ॐ जवजतीन्द्रियस्वाहा ॥ ॐ पुण भद्रायस्वाहा
 ॥ ॐ मोन भद्रायस्वाहा ॥ ॐ कुवेरायस्वाहा ॥ ॐ संप्रजामायस्वाहा ॥ ॐ गुह्यानायस्वाहा ॥
 ॐ श्रीक्षेत्रेयस्वाहा ॥ ॐ चिवीकुं दनीयस्वाहा ॥ ॐ हूँ श्रीयादेवीकारि २ माहाका ॥ ॐ हूँफरद
 ॐ नमो समंतपुधानां चीत्तरूपिनी ॥ ॐ नमो भगवते अष्ट सहश्रीका प्रज्ञापारमिता मे

॥ तद्यथा ॥ ॐ मुने २ महामुनि धर्मकिरा धर्मम मर्यानि सर्वकार्य सरिजे मे धर्म ॥ तद्यथा ॥
 हसुहस्मीतिजये विजये ध धरिप्रज्ञापारमितायस्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते पंचविंसतिकाप
 ज्ञापारमिताय ॥ तद्यथा ॥ प्रज्ञापमज्ञा प्रज्ञाप्रवर प्रधु सर्वभर प्रज्ञाया सर्वज्ञान दक्षेरे पु
 ज्ञाते सफयति कही तुचु २ कह मुनु २ सर २ धरवरपरे गर्ज २ गजतिनुदुद स्वाहा ॥ ॐ नमो
 भगवते सर्वतथागत हृदय अनुगते ॥ ॐ कुरु गिनीयस्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते आयमिंजुं श्री
 य ॥ तद्यथा ॥ ॐ गते २ पारंगते पारसंगते वो धीयस्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते एकधरप्रज्ञापारमि
 ताय ॥ ॐ नमो भगवते समन्तभद्राय बोधिसत्वाय महासत्वाय महाकारुणिकाय ॥ तद्यथा ॥
 भभक्त्याय ॥ ॐ नमो भगवते महारत्न अग्नीतिजप्रभकेतुराजाय ॥ तथागताया अहिने समे
 कसंबुद्राय ॥ ॐ नमो भगवते महारत्न आविपर पुष्पकेतुराजाय तथागताया अहिने सम्पक
 र्सेवुधाय ॥ ॐ नमो भगवते चद्रसरणा प्रजभेत्तक धर्मपाशिजये भुखीत तथागताया
 अहिने सम्पकर्सेवुधाय ॥ ॐ नमो भगवते प्रहसित चदनवजा सीत प्रहशाविस्व द्रायती

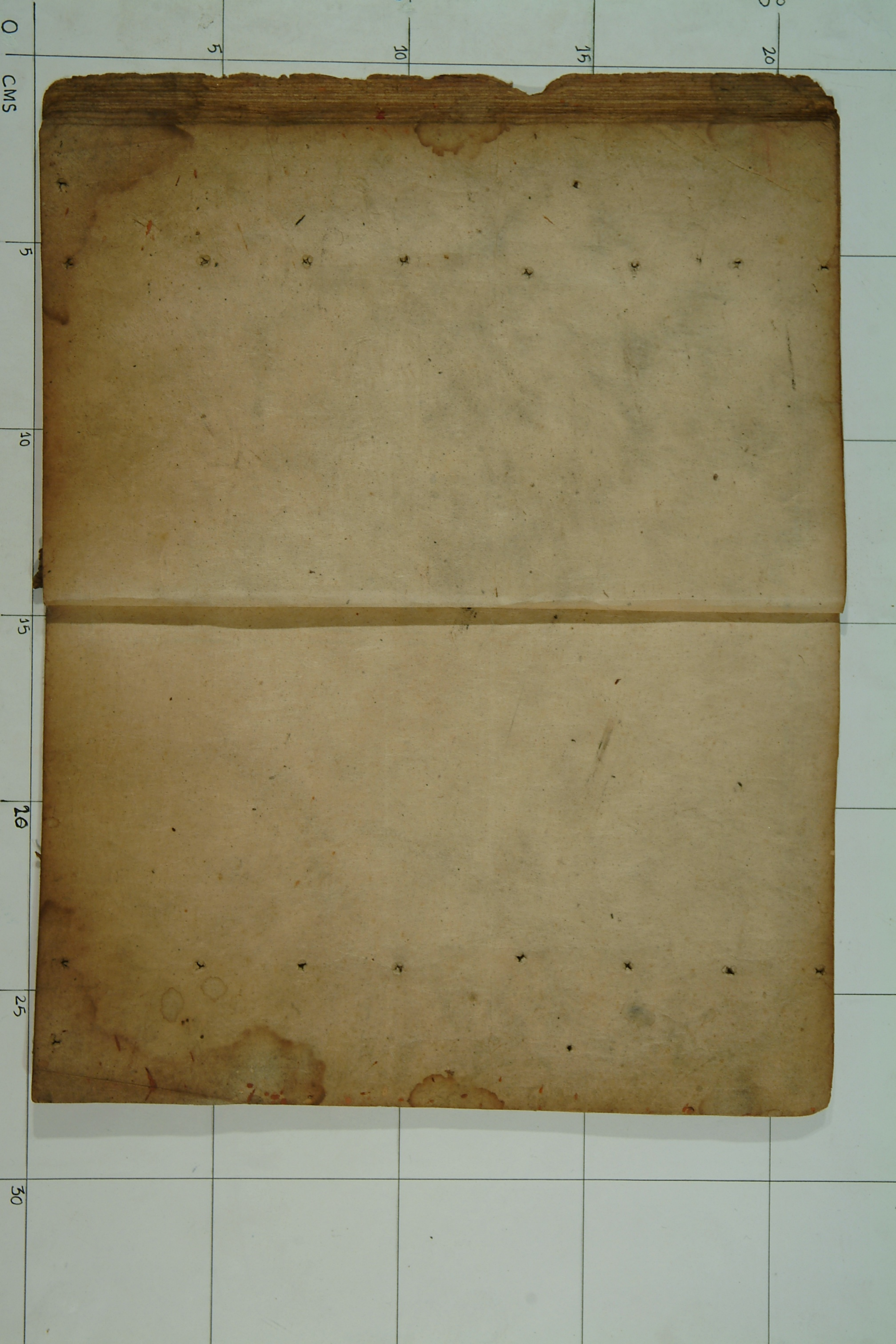
0
5
10
15
20
25
30
CMS



॥१२॥

का सहस्रपारिषिताय तठागताया अहन्ते सम्यक् सर्वुधाय ॥ ॐ नमो भगवते नवनीतनी सम्य
क सर्वुधकोतिनार्गगानदी कारु क्रोम मानि तथागताकोति ॥ ॐ नमो भगवते प्रहसितवजस
मन्त तठागताया अहन्ते सम्यक् सर्वुधाय ॥ ॐ नमो भगवते वैशेवनप्रभकेतुराजाय तदगताया
अहन्ते सम्यक् सर्वुधाय ॥ ॐ नमो भगवते समन्त भद्र तथागताया अहन्ते सम्यक् सर्वुधाय वो
धिसत्वाय महासत्वाय ॥ तद्यथा ॥ ॐ नमो भगवते सर्वुधाय ॥ ॐ नमो भगवते सर्वुधाय ॥ ॐ नमो भगवते सर्वुधाय ॥
ॐ नमो भगवते सर्वुधाय ॥ ॐ नमो भगवते सर्वुधाय ॥ ॐ नमो भगवते सर्वुधाय ॥ ॐ नमो भगवते सर्वुधाय ॥

॥१२॥





118611

0
5
10
15
20
25
30
CMS



12011

12011

0
5
10
15
20
25
30
CMS



